सच का नया सवेरा

मोर्निंग होराइजन

NEWS 5AM

PRGI No. : JHHIN/25/A4016
E.mail : morninghorizon.news5am@gmail.com
Whatsapp : 7294026751

हिंदी अखबार

जमशेदपुर | मासिक - जून 2026 | वर्ष-1, अंक-5, मूल्य : 3.00, पेज-4

डीडी बार हत्याकांड : करणी सेना के युवा नेता हिमांशु सिंह की हत्या का मामला

एक हत्या ने हिला दिया जमशेदपुर

- पुलिस पर लापरवाही के आरोप से लेकर एसएसपी की कार्रवाई, थाना प्रभारी निलंबित, बार सील, एसआइटी जांच और एडीजी की एंट्री तक... जानिए 30 जून तक पूरे घटनाक्रम की पूरी कहानी

जमशेदपुर, संवाददाता

बिष्टुपुर स्थित डबल डाउन (डीडी) बार के बाहर शनिवार देर रात करीब 11:30 बजे करणी सेना के युवा नेता हिमांशु सिंह की हत्या ने पूरे जमशेदपुर को झकझोर कर रख दिया। इस सनसनीखेज वारदात के बाद शहर में आक्रोश फैल गया। पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठे, परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया और देखते ही देखते यह मामला सड़क से लेकर पुलिस मुख्यालय तक पहुंच गया। बीते कुछ दिनों में इस मामले में लगातार प्रशासनिक कार्रवाई, पुलिस अधिकारियों पर गाज, बार सील होने, एसआईटी जांच और उच्चस्तरीय समीक्षा जैसे कई बड़े घटनाक्रम सामने आए हैं।

घटना की शुरुआत डबल डाउन बार में दो पक्षों के बीच हुए विवाद से हुई। सूचना मिलने पर बिष्टुपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने कुछ युवकों को हिरासत में लेकर पीसीआर वाहन में बैठा भी लिया था, लेकिन तभी हथियारों से लैस हमलावर वहां पहुंचे और पुलिस की मौजूदगी में हिमांशु सिंह पर चापड़ से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हमले में हिमांशु की मौत हो गई, जबकि उनके साथी प्रत्युष गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) में चल रहा है। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने पुलिस पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना था कि यदि पुलिस समय रहते सख्ती दिखाती तो हिमांशु की जान बच सकती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के बाद भी पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने में तत्परता नहीं दिखाई। इसी आक्रोश के बीच हिमांशु की मां और परिजन बिष्टुपुर थाना पहुंचे, जहां उन्होंने जमकर हंगामा किया और दोषी पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने तथा सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

इसके बाद विरोध-प्रदर्शन ने उग्र रूप ले लिया। बिष्टुपुर गोलचक्कर और थाना परिसर के बाहर हजारों लोग जमा हो गए। टायर जलाकर सड़क जाम कर दी गई, पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई और उग्र भीड़ ने सिटी एसपी के सरकारी वाहन के पीछे का शीशा तोड़ दिया। एक पीसीआर वाहन को भी क्षति पहुंचाई गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करना पड़ा।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी पीयूष पांडे देर रात स्वयं बिष्टुपुर थाना पहुंचे। उन्होंने मृतक के परिजनों के साथ लंबी वार्ता की। कई दौर की बातचीत के बाद परिजनों और समर्थकों को शांत कराया गया तथा सड़क पर आवागमन सामान्य कराया गया। हालांकि वार्ता के बाद न तो पुलिस प्रशासन और न ही परिजनों की ओर से मीडिया के सामने कोई आधिकारिक बयान दिया गया। देर रात तक पत्रकार थाना परिसर के बाहर मौजूद रहे, लेकिन वार्ता में क्या सहमति बनी, इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई। इसी बीच एसएसपी ने घटना के समय ड्यूटी पर मौजूद एएसआई रतन कुमार दास, एएसआई राजेश रंजन और कांस्टेबल मनोज कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इसके बाद विभागीय कार्रवाई का दायरा बढ़ाते हुए बिष्टुपुर थाना प्रभारी आलोक कुमार दुबे को भी निलंबित कर दिया गया। उनकी जगह बर्मामाइंस थाना प्रभारी निरंजन कुमार को बिष्टुपुर थाना का नया प्रभारी बनाया गया है।

उधर जिला प्रशासन ने भी सख्त कदम उठाते हुए डबल डाउन (डीडी) बार को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। उपायुक्त के निर्देश पर पूरे मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया। एसआईटी में आबकारी विभाग के अधिकारियों को शामिल किया गया है, जो बार के लाइसेंस, संचालन और नियमों के पालन सहित पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मंगलवार को जोनल एडीजी सह एडीजी सीआईडी मनोज कौशिक जमशेदपुर पहुंचे। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की, जांच की प्रगति की जानकारी ली और इसके बाद डबल डाउन बार पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस की भूमिका और उपलब्ध साक्ष्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी और त्वरित जांच के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस मामले में दोषी चाहे कोई भी हो, उसे कानून के अनुसार बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस ने अब तक इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर जांच आगे बढ़ रही है। दूसरी ओर मृतक हिमांशु सिंह के परिजन न्याय की मांग पर अडिग हैं। परिजनों ने सभी आरोपियों की गिरफ्तारी तक अंतिम संस्कार नहीं करने का निर्णय लिया है। वहीं सूत्रों के अनुसार, परिजनों ने पुलिस प्रशासन को 48 घंटे का समय देते हुए सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। हालांकि इस संबंध में पुलिस प्रशासन अथवा परिजनों की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। डीडी बार हत्याकांड अब केवल हत्या का मामला नहीं रह गया है। यह पुलिस की जवाबदेही, प्रशासनिक व्यवस्था, कानून-व्यवस्था और शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल बन चुका है।

एसएसपी समेत दो आइपीएस अधिकारियों को हटाया गया

जमशेदपुर : जमशेदपुर समेत कोल्हान प्रमंडल में लगातार सामने आ रही आपराधिक घटनाओं और कानून-व्यवस्था को लेकर उठ रहे सवालों के बीच झारखंड सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूर्वी सिंहभूम के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पीयूष पांडे तथा सरायकेला-खरसावां की पुलिस अधीक्षक (एसपी) निधि द्विवेदी को तत्काल प्रभाव से उनके पदों से हटाकर पुलिस मुख्यालय से संबद्ध करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर जारी अपने आधिकारिक संदेश में कहा कि दोनों अधिकारियों को विधि-व्यवस्था बनाए रखने में विफलता तथा आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में लापरवाही के कारण हटाया गया है।

10 महीने से क्षतिग्रस्त पड़े नाले का निर्माण कार्य शुरू

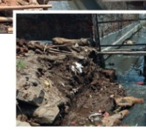

जमशेदपुर : शहर के रोड नंबर-11, झरना रोड स्थित करीब 10 महीने से अधिक समय से क्षतिग्रस्त पड़े नाले का निर्माण कार्य आखिरकार शुरू हो गया है। लंबे समय से इस समस्या के कारण स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। बरसात के मौसम में जलजमाव, सड़क पर कीचड़ और आवागमन में बाधा आम बात हो गई थी। कई बार स्थानीय लोगों ने इस समस्या को लेकर संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की थी। अब मानगो नगर निगम की महापौर (मेयर) सुधा गुप्ता की पहल पर नाले के निर्माण का कार्य शुरू करा दिया गया है। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि वे पिछले 10 महीनों से इस समस्या से जूझ रहे थे और अब जाकर उनकी परेशानी दूर होने की उम्मीद जगी है।

स्थानीय निवासी ने कहा कि, यह समस्या पिछले 10 महीने से बनी हुई थी। टूटे हुए नाले के कारण आने-जाने में काफी दिक्कत होती थी। बरसात में स्थिति और भी खराब हो जाती थी। अब निर्माण कार्य शुरू होने से हम सभी काफी खुश हैं। इसके लिए मैं मानगो नगर निगम की महापौर श्रीमती सुधा गुप्ता जी का हृदय से धन्यवाद देता हूं। हमें उम्मीद है कि निर्माण कार्य जल्द पूरा होगा और लोगों को स्थायी राहत मिलेगी।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि नाला बनने के बाद जलनिकासी की व्यवस्था बेहतर होगी, सड़क पर जलजमाव की समस्या खत्म होगी और आसपास रहने वाले लोगों को राहत मिलेगी। लोगों ने उम्मीद जताई कि नगर निगम आगे भी क्षेत्र की अन्य जनसमस्याओं का इसी तरह त्वरित समाधान करेगा। निर्माण कार्य शुरू होने के साथ ही स्थानीय लोगों में खुशी और संतोष का माहौल है। लोगों ने इसे जनहित से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम बताते हुए नगर निगम और महापौर सुधा गुप्ता के प्रति आभार व्यक्त किया।